भाग्योदय तीर्थ धर्मार्थ न्यास

गौरवशाली इतिहास

भाग्योदय तीर्थ धर्मार्थ न्यास
गौरवशाली इतिहास

यह बात वर्ष १९९२ / १९९३ की है जब परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य गुरूवर श्री १०८ विद्यासागर महा मुनिराज जी ससंघ के साथ सागर में थे। डॉ. अमरनाथ जी का पुण्य था, जो कि आचार्यश्री ने ससंघ रात्रि विश्राम उनके भगवानगंज निवास में किया। डॉ. अमरनाथ जी ने अपने मन की बात आचार्यश्री से निवेदित की, कि निवास स्थान से लगा हुआ एक बहुत बड़ा प्लाट है, जिसमें गरीबों के लिये एक चिकित्सालय बनाने के लिये गुरूजी का आशीर्वाद चाहते हैं। यह कथन सुनकर आचार्यश्री मुस्कुराकर बोले - "चिकित्सालय बनाओ, पैसा कमाओ! किन्तु गरीबों की सेवा होती कहाँ है? गरीबों का नाम लेकर तो डॉक्टर लोग अपना इलाज करते हैं।" आचार्यश्री के इन वचनों से अमरनाथ जी को बोध हो गया कि चिकित्सालय निजी न होकर समाज का होना चाहिये जिसमें वास्तविक रूप से जरूरतमंद अपना इलाज करा सकें और वे संकल्पित हो गये कि यह कार्य हर परिस्थिति में करना है।

क्रमशः

फरवरी १९९३ में सागर में प्रथम गजरथ पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन हुआ, अंतिम दिवस परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य गुरूवर श्री १०८ विद्यासागर महा मुनिराजजी ने अपने आशीष वचनों में कहा कि "डॉ. साहब (श्री अमरनाथ) संकल्पित हैं और मानव कल्याण के कार्य में वे अपना तन-मन-धन लगाने तैयार हैं।" इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोग भी इस पुनीत कार्य हेतु संकल्पित हुये। पश्चात् आचार्यश्री ससंघ बीना बारह (देवरी) की ओर विहार कर गये। डॉ. साहब प्रतिदिन अपना निजी कार्य करने के पश्चात् बीना बारह आचार्यश्री के पास पहुँच जाते थे एवं योजना के बारे में गुरूजी से मार्गदर्शन प्राप्त करते थे।

परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य गुरूवर श्री १०८ विद्यासागर महा मुनिराज जी से दिशा निर्देश ग्रहण कर समाजकल्याण के इस कार्य में समाज को जागरूक करने तथा अधिकाधिक लोगों को जोड़ने का कार्य डॉ. साहब करने लगे थे। परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य गुरूवर श्री १०८ विद्यासागर महा मुनिराज जी के निर्देशों का पालन करते हुये डॉ. अमरनाथ जी देश-विदेश के हजारों लोगों से जुड़े और सभी भाग्योदय तीर्थ प्रवर्तना

क्रमशः

के लिये तत्पर हो गये। भवन नक्शा तैयार हुआ एवं निर्माण हेतु भूमि तलाशी जाने लगी। सदस्यों के मध्य निरंतर बैठकें होने लगीं। निर्णय लिया गया कि क्यों न वही खत्री ब्रदर्स की जमीन क्रय कर ली जावे जहॉ सागर शहर का प्रथम गजरथ सम्पन्न हुआ था? जब खत्री ब्रदर्स से सदस्यों ने पुण्य कार्य की बात करते हुये जमीन क्रय करने का प्रस्ताव रखा तो वे सहर्ष जमीन विक्रय करने को तैयार हो गये। मात्र ₹ ११ हजार अग्रिम देकर जमीन क्रय करने की बात सुनिश्चित कर ली गयी। जगह-जगह से दान एकत्रित किया जाने लगा और जमीन का पंजीयन भी होने लगा। क्रय जमीन पर ६०० फीट गहराई में बोरिंग कराने पर भी पानी नहीं मिला। इस बात से दुःखी होकर डॉ. साहब सदस्यों के साथ आचार्यश्री के पास पहुँचे और पानी न मिलने की बात कही। आचार्यश्री ने कहा कि "पहले पूरी १५.६४ एकड़ भूमि का पंजीयन करवा लो, पानी की चिन्ता मत करो।" सभी सदस्य दान एकत्रित करने में लग गये एवं पूरी जमीन का पंजीयन करा लिया। जब यह जमीन भाग्योदय तीर्थ के नाम से हो गयी तो यहॉ गुरु जी के आशीर्वाद से पानी की कमी न रही।

क्रमशः

अब इस क्षेत्र पर विकास-गंगा अपना पूर्ण रूप लेने में सक्षम हो गयी सभी सदस्य अपनी-अपनी भूमिका निर्वाहन में लग गये।

इसी बीच न्यास परिकल्पना को साकार रूप देने हेतु दस्तावेजों, न्यास पंजीयन, बैंक अनुज्ञायें आदि की कार्यवाही भी संपादित होने लगी। १३ जुलाई १९९३ को परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य गुरूवर श्री १०८ विद्यासागर महा मुनिराज जी के सानिध्य में अतिशय क्षेत्र रामटेक की पवित्र भूमि पर भाग्योदय तीर्थ धर्मार्थ न्यास सागर की स्थापना/गठन २१ न्यासियों सहित किया गया। १० दिसम्बर १९९३ को न्यास शासकीय रूप से पंजीकृत हो गया। न्यास में सर्वश्री सागरचन्द्र दिवाकर, डॉ. अमरनाथ जैन, दरबारी लाल जैन, संतोष कुमार जैन, उत्तमचंद्र जैन, डॉ. राजेश जैन, मुन्नालाल जैन, देवेन्द्र कुमार बजाज, जिनेन्द्र कुमार जैन, डॉ. सुनील जैन, डॉ. सुधीर जैन, सुगम कुमार जैन, विमल कुमार मलैया, हेमन्त कुमार जैन, एड. प्रमोदचंद्र नायक, डॉ. विजय मुणोत, डॉ. महेन्द्र जैन, डॉ. प्रकाशचंद्र जैन, डॉ. अशोक सिंघई, डॉ. ऋषभ जैन, डॉ. दिलीप जैन ने प्रारंभिक समय

क्रमशः

से ही लोगों को जोड़ने का कार्य किया साथ ही सभी न्यासी सौंपे गये दायित्वों का निर्वाहन करने में लग गये। जगह-जगह निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाने लगा। गॉव-गॉव तक भाग्योदय तीर्थ चिकित्सालय बनने की खबरें भी प्रसारित होने लगीं। बस इंतजार रहा कि कब परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य गुरूवर श्री १०८ विद्यासागर महा मुनिराज जी के पावन चरण सागर में पड़े और चिकित्सालय निर्माण हेतु भूमि पूजन हो। अक्षय तृतीया २ मई १९९५ को परम पूज्य आचार्यश्री के ससंघ सानिध्य में भाग्योदय तीर्थ चिकित्सालय भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन कर आधार शिला रखी गयी।

भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया और साथ-साथ क्रियात्मक गतिविधियों का संचालन होता रहा ताकि लोगों में जागरूकता बनी रहे। **१८ अप्रैल १९९५** को कुष्ठ रोग केन्द्र का शुभारंभ, **९ मई १९९५** को न्यास की प्रथम एम्बूलेंस का लोकार्पण, **अक्षय तृतीया २० अप्रैल १९९६** को भाग्योदय तीर्थ कृत्रिम अंग निर्माण केन्द्र का शुभारंभ हुआ। आचार्यश्री के शिष्य प.पू. मुनि श्री

क्रमशः

समता सागर जी एवं प.पू. मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज के सानिध्य में **अक्षय तृतीया ९ मई १९९७** को क्षय रोग औषधि वितरण केन्द्र का शुभारंभ, **२९ अप्रैल १९९८** को योग साधना केन्द्र की स्थापना, **३० जुलाई १९९८** को एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक बाह्य रोग परीक्षण केन्द्र तथा पैथोलॉजी का शुभारंभ, **८ सितम्बर १९९८** एक्स-रे एवं सोनोग्राफी केन्द्र का शुभारंभ यह सभी कार्य चिकित्सालय निर्माण होने तक, जन मानस में वातावरण बनाये रखने तथा जनजागरण हेतु संपन्न किये गये।

शरद पूर्णिमा ५ अक्टूबर १९९८ को चिकित्सालय भवन का भव्य लोकार्पण किया गया। १०८ पलंग से युक्त यह चिकित्सालय तत्कालीन आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित बुन्देलखण्ड का एक मात्र बृहद चिकित्सालय बन गया। यहाँ बाह्य रोग परीक्षण के साथ-साथ नवजात एवं शिशु, प्रसूति एवं स्त्री, मेडीसिन, शल्यक्रिया, दंत आदि विभाग प्रशिक्षित एवं अनुभवी चिकित्सा विशेषज्ञों के निर्देशन में संचालित होने लगे। परम पूज्य संत शिरोमणिं आचार्य गुरूवर श्री १०८ विद्यासागर महा मुनिराज

क्रमशः

जी की प्रेरणा से न्यासियों की सोच सिर्फ एलोपैथी चिकित्सालय तक सीमित नहीं थी, अतः **२२ नवम्बर १९९८** को प्राकृतिक चिकित्सालय प्रारंभकिया गया साथ ही त्यागीव्रत्ति आश्रम की भी स्थापना हुयी।

यह वह समय था जब बुन्देलखण्ड की आम जनता चिकित्सा सुविधाओं का सख्त अभाव महसूस कर रही थी। सामान्य व्याधियों के इलाज हेतु निवासियों को जबलपुर, भोपाल आदि शहर भागना पड़ता था। ऐंसे में भाग्योदय तीर्थ चिकित्सालय बुन्देलखण्ड के लिये परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य गुरूवर श्री १०८ विद्यासागर महा मुनिराज जी का वरदान सिद्ध हुआ। समय-समय पर यहॉ भोपाल, इंदौर, जबलपुर, नागपुर, मुम्बई, दिल्ली, हैदराबाद यहॉ तक कि अमेरिका आदि विदेशों के विशेषज्ञों ने चिकित्सा शिविर आयोजित कर सभी को स्वास्थ्य लाभ दिया।

प्रगति की श्रृंखला रूकी नहीं तथा निरंतर उन्नति के सोपान भाग्योदय तीर्थ धर्मार्थ न्यास के गौरवशाली इतिहास में जुड़ते गये जिसकी तिथियां निम्नानुसार हैं:-

क्रमशः

शुभारंभ सूची

क्र.	लोकार्पण	दिनांक	मंगल सानिध्य	विशेष अतिथि
१.	स्थापना	१३/०७/१९९३	प.पू. आचार्यश्री ससंघ	अतिशय क्षेत्र रामटेक, नागपुर
२.	भूमि पूजन	०२/०५/१९९५	प.पू. आचार्यश्री ससंघ	
३.	चलित चिकित्सा इकाई/एम्बूलेंस	०९/०५/१९९५	प.पू. आचार्यश्री ससंघ	
४.	पैथोलॉजी एवं ओपीडी	३०/०७/१९९८	प.पू. आचार्यश्री ससंघ	
५.	एक्स रे/ सोनोग्राफी	०८/०९/१९९८		
६.	१०८ पलंग युक्त आधुनिक चिकित्सालय	०५/१०/१९९८	शरद पूर्णिमा, प.पू. आचार्यश्री जी जन्मदिवस	
७.	प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र	२२/११/१९९८		
८.	नगर चिकित्सा इकाई	१८/०९/२०००		श्रीमति सुधा जैन (विधायिका सागर), सर्वश्री त्रिलोकी नाथ कटारे (अ.न. नि) नाथूराम पटना, डा. अशोक बमोरिया
९.	रक्त कोष	२०/०२/२००३	प.पू. आचार्यश्री ससंघ	श्री अरविन्द सुनहली, श्री परमानंद यादव, श्री शीतल प्रसाद, श्री आर.डी. जैन,

क्रमशः

क्र.	लोकार्पण	दिनांक	मंगल सानिध्य	विशेष अतिथि
१०.	सी.आर्म (हड्डी विभाग)	०७/०२/२००४		
११.	सहचिकित्सकीय महाविद्यालय की स्थापना	१०/११/२००५		डॉ. अमरनाथ जैन, न्यासी डॉ. ऋषभ जैन, न्यासी
१२.	टी.एम.टी.	२५/१२/२००५		इंजी. एस.पी. जैन, डॉ. एन.सी. जैन, श्रीमति सुधा जैन (विधायिका सागर) श्री डालचंद जैन
१३.	सीमेन्स कलर डाप्लर (सोनोग्राफी)	२२/१२/२००६	प.पू. उपाध्याय श्री ज्ञानसागरजी महाराज, प.पू. दृढ़मतिमाताजी ससंघ	दादा श्री डालचंद जैन, श्री वीरेन्द्र खटीक (सांसद), श्री गोपाल भार्गव (मंत्री), श्रीमति सुधा जैन(विधायिका सागर)
१४.	फार्मेसी महाविद्यालय	२६/१०/२००७		डॉ. संजय जैन AP डॉ. सुनील जैन एडीना, डॉ. अभय सिंघई
१५.	फिजियोथेरेपी मशीन, सेल्युलाइट हीट थैरेपी, वेक्यूम हीट स्टेम्युलेटर, वाइब्रेट थैरेपी	१९/०१/२००८		डॉ. विनोद शर्मा, नेशनल हार्ट इंस्टी ट्यूट दिल्ली

क्रमशः

क्र.	लोकार्पण	दिनांक	मंगल सानिध्य	विशेष अतिथि
१६.	वैन्टीलेटर (हड्डी विभाग)	१२/०२/२००८		श्रीमति सुधा जैन (विधायिका सागर) श्री सुरेश कासली वाल ३०४० रोटरी रोटरी डिस्ट्रक पूर्व गर्वनर
१७.	ए.बी.जी. एनलाइजर	२१/०९/२००८		प्रो. आर.पी. अग्रवाल (कुलपति सागर वि.वि.),श्री के.एन. तिवारी (आई.जी.)
१८.	ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप	१४/१०/२००८ १५/१०/२००८		
१९.	एम्बूलेंस मैजिक	२७/१०/२००८		बण्डा जैन समाज द्वारा दान में प्राप्त
२०.	ऑटो रिफ्रेक्टो मीटर, ब्लड सेल काउन्टर, मल्टी पैरामीटर मोनीटर सिरेन्ज पम्प, डिफाइब्रलेटर, ई.सी.जी., इंफंट वार्मर, फोटोथेरेपी यूनिट	१४/१२/२००८	प.पू. पूज्यसागर जी महाराज, प.पू. विमलसागर महाराज, प.पू. सौम्यसागर महा.	श्री एम.सी. सेठी, जे.के. टायर्स, नई दिल्ली, श्री शैलेन्द्र जैन (विधायक सागर) श्री प्रदीप लारिया (विधायक नरयावली), श्री प्रदीप पाठक निगम अध्यक्ष, श्रीमति विशाला जैन
२१.	२२१ पलंग चिकित्सालय २०० के.वी.ए. जेनेरेटर, धुलाई संयंत्र	१४/१२/२००८	प.पू. पूज्यसागर जी महाराज, प.पू. विमलसागर महाराज, प.पू. सौम्यसागर महा.	श्री एम.सी. सेठी, जे.के. टायर्स, नई दिल्ली, श्री शैलेन्द्र जैन (विधायक सागर) श्री प्रदीप लारिया

क्रमशः

क्र.	लोकार्पण	दिनांक	मंगल सानिध्य	विशेष अतिथि
				(विधायक नरयावली), श्री प्रदीप पाठक निगम अध्यक्ष, श्रीमति विशाला जैन
२२.	नर्सिंग महाविद्यालय	१४/१२/२००८	प.पू. पूज्यसागर जी महाराज, प.पू. विमलसागर महाराज, प.पू. सौम्यसागर महा.	श्री एम.सी. सेठी, जे.के. टायर्स, नई दिल्ली, श्री शैलेन्द्र जैन (विधायक सागर) श्री प्रदीप लारिया (विधायक नरयावली), श्री प्रदीप पाठक निगम अध्यक्ष, श्रीमति विशाला जैन
२३.	एम्बुलेंस, कोल्ड फेको, नवनिर्मित गहन चिकित्सा कक्ष तथा वेन्टीलेटर	११/०४/२००९	प.पू. आचार्यश्री, ससंघ	
२४.	डिजीटल एक्स रे तथा ई.ई.जी.	२८/०४/२००९	प.पू. आचार्यश्री, ससंघ	
२५.	सी.टी. स्केन	३०/०५/२००९		श्री भूपेन्द्र सिंह, (सांसद सागर) श्री श्री शैलेन्द्र जैन, (विधायक सागर)
२६.	केन्द्रीय मॉनिटरिंग प्रणाली	२४/०७/२०१०		श्री पी.डी. जैन, श्री चमन लाल जैन, डॉ. विनोद शर्मा (नई दिल्ली)

क्रमशः

क्र.	लोकार्पण	दिनांक	मंगल सानिध्य	विशेष अतिथि
२७.	डायलिसिस	१३/०९/२००९	प.पू. विमलसागर जी महाराज, प.पू. विशदसागर जी महाराज, प.पू. अतुलसागरजी महा.	श्री नरेन्द्र जैन इन्दौर
२८.	फिजियोथेरेपी सेन्टर	२२/११/२००९		
२९.	मेडीकल ऑक्सीजन प्लांट (केन्द्रीय प्राणवायु प्रणाली)	२२/०२/२०१०		इनाक्स यूनिट हेड, श्री ए. सेमसंग, मो. अजीत खान, श्री प्रसाद ए. पाण्डे
३०.	एम.आर.आई. सुपर डायग्नोस्टिक सेन्टर	२८/०३/२०१० महावीर जयंती	प.पू. श्रेयांशसागर जी महाराज, प.पू. भव्यसागर जी महाराज	श्री गोपाल भार्गव मंत्री, श्री जयंत मलैया, मंत्री (म.प्र. शासन) श्री भूपेन्द्र सिंह, सांसद, श्री डालचंद जैन, श्री हीरासिंह राजपूत, कांग्रेस जिलाध्यक्ष
३१.	एम्बुलेंस (टवेरा)	१३/०४/२०१०	SBI द्वारा दान में प्राप्त	मुख्य महाप्रबंधक एम. भगवत राव, महाप्रबंधक नेटवर्क-१ आर. एन. नहेरिया, उपमहाप्रबंधक जे. सी. पाण्डे, क्षेत्रीय प्रबंधक राजीव स्वरूप
३२.	धर्मशाला शिलान्यास	२२/११/२०१०		श्री रमेश बिलहरा, श्री महेश बिलहरा,

क्रमशः

क्र.	लोकार्पण	दिनांक	मंगल सानिध्य	विशेष अतिथि
				श्री संतोष बिलहरा
३३.	ट्रॉमा सेन्टर	१६/०६/२०११		श्री शैलेन्द्र जैन, (विधायक सागर)
३४.	पूर्ण कम्प्यूटरीकरण चिकित्सालय	२६/०७/२०१२		
३५.	लेप्रोस्कोपी शल्यक्रिया	०९/०४/२०१३		
३६.	नवीन TMT	१०/०५/२०१३		
३७.	विशिष्ट गहन चिकित्सा कक्ष	१८/१०/२०१३	प.पू. आचार्यश्री जन्म दिवस	डॉ. यशपाल जैन, डॉ. रीता, राकेश जैन, डॉ. प्रवीण जैन
३८.	एम्बुलेंस मैजिक	२१/१२/२०१३		
३९.	नवनिर्मित स्वागत एवं भुगतान कक्ष नवनिर्मित ओ.पी.	१६/०१/२०१४		श्रीमति पुष्पा शिल्पी महापौर नगर निगम सागर
४०.	नवनिर्मित वातानुकूलित दवाई भंडार	२३/०३/२०१४		किम्स हैदराबाद, डॉ. राव, डॉ. जीवाणी डॉ. विजय पूर्व न्यासी
४१.	केन्द्रीय सक्शन प्रणाली	०८/०५/२०१४		

क्रमशः

क्र.	लोकार्पण	दिनांक	मंगल सानिध्य	विशेष अतिथि
४२.	नवनिर्मित डायलिसिस	१३/०७/२०१४		
४३.	मरीज उद्वाहक (लिफ्ट)	१५/०८/२०१४		
४४.	नवनिर्मित ओ.टी. (५)	३१/१२/२०१४		श्री लक्ष्मीनारायण यादव सांसद
४५.	सोनोग्राफी कोरिडोर	०८/०२/२०१५		डॉ. बंडी एवं ग्रेटर कैलाश हास्पिटल टीम, इंदौर
४६.	नवनिर्मित एन.आई.सी.यू.	११/०४/२०१५	भगवान महावीर कल्याणक	स्वामी जन्म
४७.	शल्य चिकित्सा पश्चात् स्वास्थ्य लाभ कक्ष	२१/०४/२०१५	अक्षय तृतीया	श्री अभय दरे महापौर
४८.	नवनिर्मित सी आर्म	२२/०५/२०१५		
४९.	सामान्य चिकित्सा	३१/०५/२०१५		डॉ. दीपक जैन, डॉ. निशांत जैन, डॉ. वर्षा जैन
५०.	नवनिर्मित पैथोलॉजी प्रयोगशाला	३०/०६/२०१५	प.पू. आचार्यश्री का ४८वॉ दीक्षा दिवस	मेजर जनरल श्री पृथी सिंह, जनरल कमांडिंग ऑफीसर, सागर केन्ट

क्रमशः

क्र.	लोकार्पण	दिनांक	मंगल सानिध्य	विशेष अतिथि
५१.	मेमौग्राफी, नवनिर्मित शिशु विभाग, हृदय रोग विभाग	१५/०८/२०१५		पूर्व विधायिका श्रीमति सुधा जैन डॉ. विजय मुणोत, पूर्व न्यासी डॉ. अशोक सिंघई, पूर्व न्यासी
५२.	एक्स-रे ३०० एम.ए.	०६/१०/२०१५		
५३.	सामान्य गहन चिकित्सा कक्ष, वातानुकूलित गहन चिकित्सा कक्ष	३१/१२/२०१५		डॉ. प्रदीप चौहान डॉ. प्रामिस जैन डॉ. एम.के. पाल
५४.	हृदयाघात रोक एवं उपचार यंत्र कैथलैब	०९/०७/२०१६	प.पू. आचार्यश्री ससंघ	सांसद श्री लक्ष्मी नारायण यादव, परिवहन मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, विधायक श्री शैलेन्द्र जैन, सुरखी विधायक श्रीमति पारूल साहू, महापौर श्री अभय दरे
५५.	हैमिल्टन वेन्टीलेटर	२७/०७/२०१६		
५६.	फिलिप्स CX - ५०	१९/०७/२०१६		
५७.	नवीन शिशु वार्मर नवीन फोटो थैरेपी	२६/०९/२०१६		

क्रमशः

क्र.	लोकार्पण	दिनांक	मंगल सानिध्य	विशेष अतिथि
५८.	क्रिटिकल केयर एम्बूलेंस	१४/१०/२०१६		श्री दिलीप गुहाजी क्षेत्रीय प्रबंधक (एस.बी.आई. द्वारा अनुदान प्रदत्त, ₹ २५ लाख)
५९.	चलित एक्स-रे १०० एम.ए.	१९/१०/२०१६		
६०.	सामान्य वार्ड, चार कक्ष,	२५/१२/२०१५	प.पू. १०८ श्री तपोमति माताजी ससंघ	

क्रमशः

परिसर के बाहर निःशुल्क शिविर आयोजन

न्यास निर्माण तथा चिकित्सालय प्रारंभ होने के समय से वर्ष २०१३ तक सागर शहर तथा आसपास के विभिन्न स्थानों तथा ग्रामों में लगभग २५३ निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये हैं जिनसे लगभग २४,५०६ रोगी लाभान्वित हुये हैं। यहॉ हम वर्ष २०१३ पश्चात् विगत वर्षों का निःशुल्क चिकित्सा शिविर का विवरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

वर्ष २०१३ में सागर केन्द्रीयजेल, जरूआखेड़ा, बाहुबली जैन मंदिर सागर, मधर टैरेसा चैरिटी मिशन विठ्ठलनगर, कान्वेंट स्कूल मालथौन तथा बंडा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये जिनसे लगभग १४६९ रोगी लाभान्वित हुये।

वर्ष २०१४ में परसौन, खुरई, ईशुरवारा, जरूआखेड़ा, बरौदा रहली, कनेरादेव, मधर टैरेसा चैरिटी मिशन विठ्ठलनगर, आनंद आश्रम सागर, दलपतपुर, दीनदयाल नगर मकरोनिया, बड़कुंआ, मीरखेड़ी, मंझगुंवा आहार, पामाखेड़ी, धर्मश्री,

क्रमशः

सेवाधाम श्यामपुरा, रामघाट, संत कबीरदास वार्ड सागर, पथरिया हाट, सी.एल. जैन मैमोरियल स्कूल सुभाषनगर सागर, बदौना, बमोरी खुर्द, राजा बिलहरा, रहस मेला गढ़ाकोटा, अंकुर कॉलोनी मकरोनिया, बरारू, अमरीन हायर सेकेण्डरी स्कूल, मछरयाई, मोहननगर वार्ड, बाहुबली कॉलोनी, विजय टॉकीज चौराहा, भैंसा पहाड़ी, वंदना भवन जैसीनगर तथा बेलई घाट आदि स्थानों पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये जिनसे लगभग ३८९९ रोगी लाभान्वित हुये।

वर्ष २०१५ में गंभीरिया, मझगुंवा अहीर, आनंद आश्रम, विद्या पब्लिक स्कूल सागर, जमुनिया गौंड़, प्रोगेसिव पब्लिक स्कूल सागर, बाघराज, श्यामपुरा, पिपरिया, मूंदणा, बड़तुआ, बेरखेरी तथा सेमाढ़ाना आदि स्थानों पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये जिनसे लगभग ४६०१ रोगी लाभान्वित हुये।

वर्ष २०१६ में सदर मुहाल, सीहोरा, डीपीएस तथा खुरई आदि स्थानों पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये, जिनसे लगभग ५८४ रोगी लाभान्वित हुये।

क्रमशः

देश विदेश के चिकित्सा विशेषज्ञों ने भी भाग्योदय तीर्थ चिकित्सालय में किये है शिविर आयोजित

प्रारंभ के वर्षों में यहाँ जैना फाउंडेशन अमेरिका के सौजन्य से विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये हैं इन शिविरों के माध्यम से डॉ. ईश्वर भूता, डॉ. एम.के. पण्ड्या, डॉ. दिलीप बोबरा के द्वारा देश विदेश के चिकित्सकों को भाग्योदय तीर्थ चिकित्सालय में लाया गया है। इन चिकित्सकों में डॉ. खासगीवाल नाक, कान, गला विशेषज्ञ, डॉ. अनिल जैन, नाक, कान, गला विशेषज्ञ दिल्ली, डॉ. मोहन टंकवाल नाक, कान, गला विशेषज्ञ भोपाल, डॉ.परेश टंकवाल नाक,कान,गला विशेषज्ञ दिल्ली, डॉ. प्रमोद दिल्लीवाल नाक, कान, गला विशेषज्ञ दिल्ली, प्रो. डॉ. व्ही के रेना प्लॉस्टिक सर्जन जबलपुर, डॉ. महावीर कोठारी यूरो सर्जन मुंबई, डॉ. व्ही. के. जैन हृदय विशेषज्ञ लन्दन, डॉ. संजय गुप्ता नेफ्रोलॉजिस्ट भोपाल, डॉ. पी. एन. अग्रवाल छाती / दमा विशेषज्ञ भोपाल, डॉ. अनिल जैन हड्डी विशेषज्ञ दिल्ली, डॉ. एस. के गुप्ता हृदय विशेषज्ञ दिल्ली, डॉ. दीपक जैन न्यूरो फिजिशियन इंदौर, डॉ. महावीर सोवितकर

क्रमशः

यूरोलॉजिस्ट चंद्रापुर महाराष्ट्र, डॉ. मनीष जैन निश्चेतना विशेषज्ञ मेरठ, डॉ. मीना जैन, स्त्री विशेषज्ञ मिरजापुर, डॉ. अभय जैन लेप्रोस्कोपिक सर्जन मिर्जापुर, डॉ. एस. के. बंडी शिशु शल्य चिकित्सक अमेरिका एवं डॉ. एस. बंडी स्त्री विशेषज्ञ अमेरिका आदि चिकित्सा विशेषज्ञों के नाम प्रमुख रहे हैं। इन चिकित्सा शिविरों से लगभग १४,५४५ रोगी लाभान्वित हुये हैं।

शिविर श्रृंखला में ही २० एवं २१ जुलाई २००६ को एस्कार्ट हार्ट इंस्टीट्यूट दिल्ली के विशेषज्ञ डॉ. एम.के. मिश्रा, डॉ. एम. गुप्ता, डॉ. तेजिन्दर, डॉ. आर. सिन्घल, डॉ. एम.एस. अंसारी, डॉ. गजेन्द्र आदि विशेषज्ञों ने शिविर आयोजित कर लगभग २५० रोगियों को लाभान्वित किया है। इसके अतिरिक्त डॉ. विवेक कन्हारे कार्डियक सर्जन भोपाल, डॉ. आर. के. सिंह डी. एम. कार्डियोलॉजी भोपाल, डॉ. अश्विन आपटे शिशु शल्य चिकित्सक भोपाल, डॉ. राजेश चंचलानी शिशु शल्य चिकित्सक भोपाल, डॉ. प्रशांत जैन कैंसर विशेषज्ञ जबलपुर, डॉ. प्रशांत नेमा प्लास्टिक सर्जन भोपाल तथा डॉ. आकाशदीप सूरी नेफ्रोलॉजिस्ट

क्रमशः

भोपाल आदि विशेषज्ञों ने भी समय समय पर आकर अपनी सेवायें दी हैं।

वर्ष २०११ से यहाँ आयोजित होने वाले शिविर इस प्रकार हैं:-

दिनांक २३ अक्टूबर २०११ को हृदय एवं हड्डी रोगियों की सेवार्थ शिविर आयोजित किया गया। जिसमें लंदन से पधारे विशेषज्ञ डॉ. भविक शाह हड्डी विशेषज्ञ तथा डॉ. पारूल शाह हृदय विशेषज्ञ ने अपनी सेवायें प्रदान कीं। इस शिविर से १२० से भी अधिक रोगी लाभान्वित हुये।

दिनांक १९ एवं २० मई २०१२ को विशाल शल्यचिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. राजेश पटेल यूरोलॉजी विशेषज्ञ नडियाद, डॉ. अजीत वर्मा पीडियाट्रिक सर्जन दिल्ली, डॉ. प्रशांत जैन कैंसर विशेषज्ञ सर्जन मुम्बई, डॉ. सुधीर पाल न्यूरो-सर्जन भोपाल, डॉ. बी. एम. रूड़की ओरल-सर्जन महाराष्ट्र ने अपनी सेवायें देकर विभिन्न विकृतियों से ग्रसित ५२ मरीजों को अपने परामर्श एवं शल्यक्रिया द्वारा स्वास्थ्य लाभ दिया।

क्रमशः

दिनांक ०६ एवं ०७ अक्टूबर २०१२ को मेदांता हॉस्पिटल मेडीसिटी गुडगॉव (दिल्ली) तथा दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सागर के संयुक्त तत्वाधान में हृदय, न्यूरो, कैंसर, हड्डी, रक्त-अल्पता आदि रोगियों की सेवार्थ एक विशाल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आय ोजन किया गया। जिसमें डॉ. रमाकांत अग्रवाल अस्थि विशेषज्ञ, डॉ. सुरेन्द्र तनेजा हृदय विशेषज्ञ, डॉ. अनिमेश उपाध्याय न्यूरो सहित मेदांता चिकित्सा दल ने सेवाएं प्रदान की। इस शिविर से लगभग ३५४ रोगी लाभांवित हुए।

दिनांक २२ एवं २३ मार्च २०१४ को विशाल चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया जिसमें किम्स (कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंसेस) हैदराबाद के विशेषज्ञ डॉ. भास्कर राव हृदय शल्य विशेषज्ञ, डॉ. पी.ए. जीवाणी हृदय विशेषज्ञ, डॉ. टी. लक्ष्मीकांत पेट विशेषज्ञ, डॉ. व्ही. एस. रेड्डी किडनी विशेषज्ञ, डॉ. श्रीनिवास कासा हड्डी विशेषज्ञ, डॉ. पीयूष जैन कैंसर विशेषज्ञ, डॉ. श्रीनिवास प्रभु लीवर विशेषज्ञ ने अपनी सेवायें दीं। इस शिविर स ४४१ रोगी लाभान्वित हुये।

दिनांक ११ मई २०१४ को विशाल हृदय जांच

क्रमशः

शिविर का आयोजन किया गया जिसमें प्लेटिना हॉस्पिटल नागपुर के हृदय विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद मून्द्रा ने अपनी सेवायें दीं। इस शिविर से लगभग १७९ रोगी लाभान्वित हुये।

दिनांक ०८ फरवरी २०१५ को विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ग्रेटर कैलाश हॉस्पिटल इंदौर के चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. अनिल बंडी यूरोलॉजी, डॉ. दीपेश कोठारी हृदय, डॉ. कैलाश मिश्रा पेट, डॉ. अभिजीत खण्डेलवाल छाती, डॉ. जी.एस. गहलोत मेडीसिन, डॉ. शहनवाज खान हड्डी, डॉ. संजय कचौरिया कॉस्मेटिक शल्यचिकित्सक एवं डॉ. नवीन तिवारी स्नायु ने अपनी सेवायें प्रदान कीं। इस शिविर से ३८३ से भी अधिक रोगी लाभान्वित हुये।

दिनांक ०१ मार्च २०१५ को हृदय रोगियों की सेवार्थ नोबल हॉस्पिटल भोपाल के हृदय विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव तथा हृदय शल्यचिकित्सक डॉ. शिवसागर माण्डे ने करीब १४२ रोगियों को परामर्श प्रदान किया।

दिनांक ०८ मार्च २०१५ को हृदय रोगियों की

क्रमशः

सेवार्थ ही भोपाल के हृदय विशेषज्ञ डॉ. जी.सी. गौतम तथा हृदय शल्यचिकित्सक डॉ. एच. के. पाण्डे पधारे और करीब ३० रोगियों को परामर्श प्रदान किया।

दिनांक ०१ जून २०१५ को बांझपन निवारण एवं हड्डी रोगियों के लिये शिविर आयोजित किया गया जिसमें भोपाल के विशेषज्ञ डॉ. वर्षा जैन तथा डॉ. निशांत जैन ने अपनी सेवायें दीं। इस शिविर से लगभग २८१ रोगी लाभान्वित हुये।

जाने माने चिकित्सा विशेषज्ञों ने भी भाग्योदय तीर्थ चिकित्सालय में अपनी सेवायें दी है

शिविर अतिरिक्त यहाँ समय समय पर विभिन्न शहरों से चिकित्सा विशेषज्ञ पधारकर रोगियों को परामर्श देते रहते हैं। डॉ. दीपक जैन (न्यूरो फिजिशियन इंदौर), डॉ. सुनील शर्मा (हृदय विशेषज्ञ इंदौर), डॉ. विनोद शर्मा (हृदय विशेषज्ञ दिल्ली), डॉ. हेमन्त पाण्डे (हृदय शल्य चिकित्सक भोपाल), डॉ. राजेन्द्र जैन (हृदय विशेषज्ञ हैदराबाद), डॉ. जीवाणी (हृदय विशेषज्ञ हैदराबाद), डॉ. वर्षा जैन (बांझपन विशेषज्ञ भोपाल), डॉ. सर्वेश जैन

क्रमशः

(नेत्र विशेषज्ञ गुना), डॉ. मनीष राय (प्लास्टिक सर्जन भोपाल), डॉ. पुनीत तिवारी (यूरोलॉजी विशेषज्ञ भोपाल), डॉ. प्रशांत जैन (आंकलॉजी सर्जन जबलपुर), डॉ. मनीष जैन (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विशेषज्ञ भोपाल), डॉ. महेन्द्र अटलानी (नेफ्रोलॉजी भोपाल), डॉ. विद्यानंद त्रिपाठी (नेफ्रोलॉजी भोपाल), डॉ. पीयूष जैन (एम. डी. रेडियेशन जबलपुर), डॉ. संजय कुचेरिया (प्लास्टिक सर्जन इंदौर), डॉ. सुरेन्द्र सिंह पाल (न्यूरो सर्जन भोपाल), डॉ. आशीष टंडन (न्यूरोसर्जन जबलपुर), डॉ. राजेश पटेल (यूरोलॉजी विशेषज्ञ अहमदाबाद), डॉ. अनिल जैन (नाक, कान, गला विशेषज्ञ भोपाल), डॉ. रंजीत चौधरी (यूरोलॉजी विशेषज्ञ भोपाल), डॉ. विकास मिश्रा (छाती, दमा विशेषज्ञ भोपाल), डॉ. राहुल जैन (न्यूरो सर्जन भोपाल), डॉ. पुष्पराज पटेल (हृदय विशेषज्ञ जबलपुर), डॉ. पी. एन. अग्रवाल (छाती, दमा विशेषज्ञ भोपाल), डॉ. सचिन समैया (हड्डी विशेषज्ञ भोपाल), डॉ. तान्या त्रिवेदी (त्वचा रोग विशेषज्ञ भोपाल), डॉ. व्ही. के. रैना (प्लास्टिक सर्जन जबलपुर) तथा डॉ. वेदांत कावरा (कैंसर विशेषज्ञ जापान) ने अपनी सेवायें दी हैं।

क्रमशः

निःशुल्क ओ.पी.डी. तथा चिकित्सा जॉचों पर अतिरिक्त रियायत

भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयंती, परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्यश्री १०८ विद्यासागर महा मुनिराज जी का जन्म दिवस, भाग्योदय तीर्थ धर्मार्थ न्यास स्थापना दिवस एवं अन्य अवसरों पर यहॉ निःशुल्क ओ.पी.डी. एवं चिकित्सा जॉचों पर अतिरिक्त रियायत दी जाती है। अब तक इन निःशुल्क शिविरों में लगभग २८,४१६ रोगी लाभान्वित हुये हैं।

रक्तदान शिविर

भाग्योदय तीर्थ धर्मार्थ न्यास द्वारा थैलीसीमिया बीमारी से पीड़ित बच्चों के लिय एक मुहिम जारी है जिसके अंर्तगत भाग्योदय तीर्थ रक्तकोष का दल जगह-जगह जाकर रक्तदान शिविर आयोजित करता है और रक्त का एकत्रीकरण कर थैली सीमिया की बीमारी से लड़ रहे बच्चों को निःशुल्क प्रदान करता है। इस मुहिम अंर्तगत वर्ष २०१३ से जो भी रक्तदान शिविर आयोजित किये गये हैं वह निम्नानुसार हैः-

क्रमशः

वर्ष २०१३ में खिमलासा, झूलेलाल धर्मशाला सागर, विजय टॉकीज परिसर सागर तथा गौर मूर्ति चौराहा सागर आदि स्थानों पर रक्तदान शिविर जन सहयोग से आयोजित हुये हैं। इन शिविरों से ५२ इकाई रक्त प्राप्त हुआ है।

वर्ष २०१४ में ग्राम ईशुरवारा, न्यायालय परिसर सागर, झूलेलाल धर्मशाला सागर, मकरोनिया, सिंधी धर्मशाला सागर, गीतांजली बिल्डर्स सागर, टाटा मोटर्स मकरोनिया तथा संत गुलाबबाबा आश्रम सागर आदि स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया है। इन शिविरों से १४२ इकाई रक्त प्राप्त हुआ है।

वर्ष २०१५ में चौक बाजार गढ़ाकोटा, खेल परिसर सागर, मकरोनिया चौराहा, अरिहंत विहार कॉलोनी मकरोनिया, खेमचंद हास्पिटल सागर, रामपुरा वार्ड सागर, शाहपुर तथा पी. टी. सी. ग्राउण्ड सागर आदि स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया है। इन शिविरों से १९२ इकाई रक्त प्राप्त हुआ है।

क्रमशः

वर्ष २०१६ में सदर मुहाल, सिविल लाइंस चौराहा, राहतगढ़ बस स्टेण्ड सागर, पाटीदार भवन भगवानगंज, कटरा बाजार सागर, मिश्रीचंद गुप्ता गृह मकरोनिया, मंगलगिरि सागर, रहली, डी.पी.ए स. स्कूल, ज्ञानसागर महाविद्यालय आदि स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया है। इन शिविरों से १८० इकाई रक्त प्राप्त हुआ है।

संगणना अभिलेख से प्राप्त जानकारी अनुसार भाग्योदय तीर्थ चिकित्सालय के विभिन्न विभागवार जॉच एवं प्रक्रिया ऑकड़े निम्नानुसार हैं (सभी ऑकड़े अंकों में है।) :-

क्रमशः

अल्ट्रा सोनोग्राफी

	जन.	फर.	मार्च	अप्रै.	मई	जून	जु.	अग.	सि.	अक.	नवं.	दिस.
२०११	२१५	२२४	२३२	२७८	२८४	२४२	२३८	२८९	१८६	२०१	२५३	१८४
२०१२	१६२	२१९	२०६	२०९	२५४	२५१	२३६	२२९	२६२	२६०	१८८	२२६
२०१३	२१८	१८७	२६८	२८१	३०२	२८४	३३५	२४१	२८४	२५७	२३३	१३६
२०१४	२४५	२३०	२७८	२६४	१७७	---	---	---	---	२०१	२९९	२२२
२०१५	१७२	३१३	२४३	२४३	२०१	१४०	२५९	१८७	२६६	१६४	२४३	१२३
२०१६	१६८	२०९	१४९	१०४	१९६	१६६	१२७	१२७	११९	७०	८०	८४

क्रमशः

भर्ती मरीज

	जन.	फर.	मार्च	अप्रै.	मई	जून	जु.	अग.	सि.	अक.	नवं.	दिस.
२०१२	---	---	---	६१०	६५०	६७५	७८५	६२५	७२५	७५१	८०४	१०४५
२०१३	९०५	६०३	४८१	६०१	६४६	६६४	८१९	७१३	६२८	७२०	५४३	५६१
२०१४	५६१	४९९	६४४	६६१	८०१	७५८	७५२	८३१	८०२	७६५	७०४	६४५
२०१५	६१७	७६८	७३५	७७०	८४८	८६६	९३९	८६२	१०५२	१११५	९८२	९००
२०१६	९२२	९७१	९८५	१०८४	१११६	१०५८	११४३	१४५१	१५८२	१३१६	१०३४	९५८

क्रमशः

पैथोलॉजी जॉच

	जन.	फर.	मार्च	अप्रै.	मई	जून	जु.	अग.	सि.	अक.	नवं.	दिस.
२०११	----	----	----	----	----	१२४९	१८३४	२३४१	२१६०	१५४८	१५४२	३३५
२०१२	----	११७२	१२५२	१२२	----	----	----	----	----	८७१०	३९७९	४०६५
२०१३	३८४१	४४८८	४६५२	५१५१	४७२७	४८५६	६७१५	५८४२	५१४८	५०७१	४६६८	४८५६
२०१४	४३३६	४५३५	६२४६	७३५४	७१६२	६८५३	७३७७	६७७६	८४५३	७१४३	६९४२	५५९३
२०१५	५५०३	७६०७	७१३९	७१५४	७६३२	८२७६	९८६७	९०८०	११२९०	८१५६	९२६३	८९१३
२०१६	९१२५	१०६२५	१०४३६	१०३१९	१०९५३	११२३७	११४३४	१५४२६	१६२०७	१५७००९	११८५७	१०५५०

क्रमशः

ब्लड बैंक

	जन.	फर.	मार्च	अप्रै.	मई	जून	जु.	अग.	सि.	अक.	नवं.	दिस.
२०११	---	---	---	---	---	१३२	१७८	२२१	२२३	१६६	१९६	३५
२०१२	---	९९	१२३	१२	---	---	---	---	---	७५	१५१	१६०
२०१३	१७२	१५५	१६४	१८३	२०९	१७३	२४३	२३७	१७३	१९८	१७४	१६७
२०१४	१५७	१३४	१६७	२२७	२००	२०४	२१५	२०३	२३०	२०३	१९४	१८२
२०१५	१६६	२२०	१७६	१५०	१६७	१५९	१८९	१६८	२१०	२२६	१८८	१८३
२०१६	१७८	१७१	१६१	२१९	१७४	२०७	२१२	२३३	३०२	२५७	२२९	१८३

क्रमशः

एक्स-रे

	जन.	फर.	मार्च	अप्रै.	मई	जून	जु.	अग.	सि.	अक.	नवं.	दिस.
२०११	---	---	---	---	---	७३८	९९३	१०५०	१०३०	७८१	८१२	७७४
२०१२	७६९	८१२	८२१	७१५	७७७	८३०	७५०	७५२	१०४८	१०५१	७१२	७९०
२०१३	६९८	७४३	८३४	७८०	७८९	७६२	९८७	९०९	८४५	८९७	७२१	८०९
२०१४	७६२	७३६	९७८	९०४	९६९	९७५	९९८	९४५	१०५२	९७६	९२५	९८४
२०१५	९५३	११४२	११६०	१०७५	१०००	१०५९	१११७	१३८५	१६५६	१४५०	१२५७	१६००
२०१६	१५६९	१५८९	१४८८	१५०१	१४४७	१३९९	१४८०	१८१६	१९९७	१४९०	१५४५	१४१३

क्रमशः

डायलिसिस

	जन.	फर.	मार्च	अप्रै.	मई	जून	जु.	अग.	सि.	अक.	नवं.	दिस.
२०११	---	---	---	---	---	६४	९३	२००	१४६	१०३	१३०	३०
२०१२	---	१५०	१६४	११	---	---	---	---	---	५७	१४१	१३४
२०१३	१४२	१२७	१४७	१६८	१६७	१७८	१७८	१६५	१७६	१७५	१७२	२१२
२०१४	२१०	१८०	२०८	२०१	२१५	२००	२१९	२४६	२५६	२६९	२५३	२४४
२०१५	२४३	२५६	२६३	२२२	२१६	२२१	२५५	२६०	२६२	२५३	२६९	२८१
२०१६	२९८	३०४	३१५	३३२	३१६	३२३	३३८	३८१	३५५	३७४	३८८	४३७

क्रमशः

सी. टी. स्केन

	जन.	फर.	मार्च	अप्रै.	मई	जून	जु.	अग.	सि.	अक.	नवं.	दिस.
२०११	---	---	---	१६६	१०२	१२६	२१८	१८८	२०५	१२३	१९६	३५
२०१२	---	१४३	११६	४३	---	---	---	---	---	३०	८५	१०८
२०१३	११२	१२९	१३९	११०	१०६	१४७	१७७	१६५	१४५	१४२	१३४	१५४
२०१४	१४८	१४१	१६६	१५४	१७९	१७७	२१७	१७५	१९१	१७२	२२५	३६९
२०१५	२२८	२१५	२२६	१९५	२०७	२०५	२५५	२३६	२५९	२९१	३११	२८२
२०१६	३००	३५८	३४९	२९९	२७१	२८०	३२३	३५३	३९०	३२४	२७४	३३१

क्रमशः

एम. आर. आई. स्केन

	जन.	फर.	मार्च	अप्रै.	मई	जून	जु.	अग.	सि.	अक.	नवं.	दिस.
२०११	---	---	---	३४	३४	२५	४१	३६	३८	१३	३२	१०
२०१२	---	२५	२८	८	---	---	---	---	---	९	२७	३१
२०१३	३८	३९	५५	४८	६०	६३	६६	६६	६८	५६	५९	७०
२०१४	४८	५६	५५	६२	६७	५१	७१	६८	६१	५५	८०	४९
२०१५	४६	९२	५६	७२	७४	७२	८४	९२	८३	७३	५६	५८
२०१६	६५	६१	७०	५८	७७	८०	८३	८८	६९	७७	८१	७६

क्रमशः

नार्मल डिलेवरी

	जन.	फर.	मार्च	अप्रै.	मई	जून	जु.	अग.	सि.	अक.	नवं.	दिस.
२०१३	---	---	---	---	---	---	---	---	---	१६	१३	१३
२०१४	१०	१२	१६	१०	११	९	१७	१९	१८	८	९	१३
२०१५	६	९	१८	१०	१०	१०	१०	१५	१७	१२	२०	२५
२०१६	१५	१५	२०	१९	०६	०७	१६	१२	०८	१३	०७	१४

क्रमशः

एल.एस.सी.एस.

	जन.	फर.	मार्च	अप्रै.	मई	जून	जु.	अग.	सि.	अक.	नवं.	दिस.
२०१३	---	---	---	---	---	---	---	---	---	२२	२५	२१
२०१४	१९	१४	२२	१४	१८	१४	१७	२७	१४	१३	२३	१८
२०१५	२३	११	२५	१२	२४	२५	२१	२२	१७	२२	२६	३१
२०१६	२४	२५	२६	२०	०७	०९	१६	१९	१०	१२	०९	१३

क्रमशः

जहॉ एक ओर भाग्योदय तीर्थ धर्मार्थ न्यास ने चिकित्सा जगत में सम्पूर्ण बुन्देलखण्ड में अपना परचम लहराया है वहीं दूसरी ओर शिक्षा जगत में भाग्योदय तीर्थ सह-चिकित्सकीय महाविद्यालय, फार्मेसी महाविद्यालय तथा नर्सिंग महाविद्यालय प्रारंभ कर युवा पीढ़ी को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देकर उनके व्यवसायिक भविष्य का निर्माण किया है।

भाग्योदय तीर्थ महाविद्यालय : एक परिचय

भाग्योदय तीर्थ सह-चिकित्सकीय महाविद्यालय

दिनांक १० नवम्बर २००५ से संचालित है। इस महाविद्यालय में डिप्लोमा इन मेडीकल लैब टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम की शिक्षा दी जा रही है। प्रारंभ वर्ष से ही यहॉ से उत्तीर्ण छात्र विभिन्न चिकित्सालयों, पैथोलॉजी प्रयोगशाला, शासकीय /अशासकीय प्रयोगशाला एवं स्वयंसेवी संस्थाओं में सेवारत हैं।

प्रारंभ वर्ष से यहॉ के विद्यार्थियों ने उच्चतम अंकों से सफलता अर्जित की है एवं कार्यशालाओं

क्रमशः

कार्यशालाओं आदि में अपना तथा संस्था का नाम गौरवान्वित किया है। विगत वर्षों में यहाँ के विद्यार्थियों ने विद्यालयीन, ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में पहुँच कर लोगों का रक्त समूह परीक्षण किया है तथा समय समय पर आयोजित रक्तदान शिविरों में भी अपनी सराहनीय सेवायें दी हैं।

व्याख्यान माला

वैसे तो विद्यार्थियों की आवश्यकतानुसार यहाँ हमेशा ही व्याख्यान आयोजित हुये हैं। इसी श्रृंखला में यहाँ ११ अगस्त २०१७ को सुरक्षित रक्ताधान पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें नेताजी सुभाषचंद बोस मेडीकल कालेज के तत्कालीन डिप्टी रजिस्ट्रार तथा पैथॉलोजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. शरद जैन ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस विशेष आयोजन में सागर शहर के वरिष्ट पैथॉलाजिस्ट, फैकल्टी मेम्बर्स तथा विद्यार्थी उपस्थित हुये।

इस महाविद्यालय में वर्ष २०१७-१८ सत्र से ओ.टी. टेक्नीशियन, एक्स-रे टेक्नीशियन तथा डाय लिसिस टेक्नीशियन पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जा रहे हैं।

क्रमशः

भाग्योदय तीर्थ फार्मेसी महाविद्यालय

दिनांक २६ अक्टूबर २००७ शरद पूर्णिमा आचार्यश्री के जन्म दिवस पर प्रारंभ किया गया। वर्तमान में यहॉ बी. फार्म ४ वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम तथा एम. फार्म २ वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम संचालित हैं। इस महाविद्यालय में शिक्षण कार्य के अतिरिक्त समय समय पर विभिन्न अन्वेषण, परियोजनायें / शोधकार्य होते रहते हैं। यहॉ के विद्यार्थियों ने अपना शैक्षणिक कार्य पूर्ण कर विभिन्न औद्योगिक / महाविद्यालय / शासकीय / अशासकीय कार्यालयों में उच्चाधिकारी के पद पर सेवारत हैं।

विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने एवं उनकी वैज्ञानिक सोच को विकसित करने हेतु चार्ट एवं मॉडल प्रतियोगितायें आयोजित होती हैं। इसी अंतर्गत दिनांक १८ एवं १९ नवम्बर २०११ को राष्ट्र स्तरीय विज्ञान मेले का आयोजन किया गया जिसे ''अविष्कार २०११'' के नाम से जाना गया। इस विज्ञान मेले में सागर एवं दूरस्थ शहरों एवं ग्रामों से आये विभिन्न विद्यालयों के १५० से

क्रमशः

भी अधिक विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विगत वर्षों में इस महाविद्यालय के फैकल्टी मेम्बर्स तथा विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठीयों में अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण कर स्वयं का तथा संस्था के नाम को भी गौरवान्वित किया है। वर्ष २०१२ आल इंडिया GPAT परीक्षा में कुलपति पुरस्कार सम्मानित छात्रा कु. स्वाती जैन ने पॉचवा स्थान अर्जित किया तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एज्यूकेशन एंड रिसर्च (NIPER) द्वारा आयोजित परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर सम्पूर्ण भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कैंपस सिलेक्शन - दिनांक २ जून २०१२ को आयोजित इंडियन इम्यूनोलाजिकल लिमिटेड हैदराबाद द्वारा कैम्पस सिलेक्शन में महाविद्यालय के १७ विद्यार्थी चयनित हुये हैं।

दिनांक ३१ मई २०१६ को विनायक केयर साल्यूशन प्राईवेट लिमिटेड कंपनी गोरेगॉव मुंबई द्वारा आयोजित कैम्पस सिलेक्शन में ५ विद्यार्थी चयनित हुए।

क्रमशः

यहॉ प्रतिवर्ष महाविद्यालयीन वार्षिक उत्सव आयोजित होते हैं। जिसमें खेल गतिविधियॉ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पारंपरिक वेशभूषा तथा विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित होती हैं। इसी अंतर्गत दिनांक १४ मार्च २०१४ को एक विशेष आयोजन किया गया जिसे "उमंग" की संज्ञा दी गयी।

राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं परिचर्चायें - दिनांक ९ एवं १० अक्टूबर २०१३ को वनस्पतिक औषधियों संभावना एवं चुनौतियों विषय पर ICMR दिल्ली तथा मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित २ दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में देश के ४०० से अधिक अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया एवं अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये। संगोष्ठी में डॉ. हरिसिंग गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. एस.के. व्यास, प्रो. आर.के अग्रवाल, प्रो. अभय सिंघई, डॉ. एस.सी. जैन ने अतिथि रूप में उपस्थित में तथा प्रो. एस.एन. उमाटे नागपुर, डॉ. उमेश पाटिल सागर, प्रो. शैलेन्द्र सराफ रायपुर एवं श्रीमति स्वर्णलता सराफ मुख्यवक्ता के रूप में संगोष्ठी में उपस्थित रहे।

क्रमशः

दिनांक ११ एवं १२ नवम्बर २०१४ को इंडियन काउंसिल ऑफ मेडीकल रिसर्च (ICMR), नई दिल्ली तथा इंडियन फार्माकोग्नोसी सोसायटी के सौजन्य से वनस्पति औषधियों के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विनियमन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें के.एल.ई. विश्वविद्यालय बेलगांव कर्नाटक के कुलपति प्रो. सी.के. कोकाटे, डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर से कुलपति प्रो. एस.पी. व्यास मुख्य अतिथि के रूप में तथा प्रो. आर.के. अग्रवाल, प्रो. डी.व्ही. कोहली विभागाध्यक्ष फार्मेसी विभाग विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस संगोष्ठी में प्रो. व्ही.के. दीक्षित सागर, डॉ. उमेश पाटिल विश्वविद्यालय सागर, डॉ. डी.आर. लोहार दिल्ली, प्रो. ए.पी. हरदास नागपुर, डॉ. नितिन जैन नई दिल्ली, डॉ. नागेन्द्र सिंह चौहान रायपुर, प्रो. एस.सी. चतुर्वेदी, डॉ. ए.के. ओमरे, प्रो. ए.के. सिंघई, प्रो. बद्रीप्रसाद, प्रो. जे.के. जैन ने अपने विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किये।

दिनांक २ मार्च २०१५ को नवीन औषधियों की खोज विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित

क्रमशः

किया गया जिसमें पंजाब तकनीकि विश्वविद्यालय पटियाला के प्रो. ओम सिलाकारी विशेष वक्ता के रूप में पधारे। व्याख्यान श्रृंखला में ही ३ मार्च २०१५ को भी आयोजित विषय पर प्रो. एस.सी. जैन सागर ने अपना विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया।

दिनांक २० मार्च २०१६ को मध्यप्रदेश विज्ञान परिषद भोपाल के तत्वाधान में हर्बल तकनीक में नई संभावनायें विषय पर राष्ट्रीय विचार गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें प्रो. विनोद दीक्षित, डॉ. नितिन जैन नई दिल्ली, डॉ. एस. के. भटनागर ग्वालियर, डॉ. एम.एम. बंजारे ग्वालियर, डॉ. अमित नायक भोपाल ने अपने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किये।

शोधपत्रों का प्रकाशन - जनवरी २०१४ में अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका ELSEVIR प्रकाशन में महाविद्यालय के तत्कालीन कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. अंकुर वैद्य, सहायक प्राध्यापक सर्वश्री सौरभ जैन, आशुतोष पाल जैन एवं ओमनारायण गुप्ता द्वारा फार्मेसी के विभिन्न विषयों पर शोधपत्रों का

क्रमशः

प्रस्तुतिकरण किया गया। इसी वर्ष महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री सौरभ जैन ने दो शोधपत्र लिखे, जिनका प्रकाशन राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय जरनल में किया गया। विश्व स्तरीय फार्मेसी लेखन में डॉ. अंकुर वैद्य का लेख आठवें स्थान पर रहा। WILEY पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित राष्ट्रीय पुस्तक में "नैनो हर्बल मेडीसिन" विषय पर श्री सौरभ जैन का लेख प्रकाशित हुआ।

शोधपत्रों की श्रृंखला में ही यहॉ के वर्तमान प्राचार्य डॉ. आवेश कुमार यादव द्वारा इंटरनेशनल जनरल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रो मॉलिक्यूल पत्रिका में एवं आर्टीफिशियल नैनो मेडीसिन एण्ड बायोटेक्नोलॉजी पत्रिका में शोधपत्रों का प्रकाशन हुआ। इसी श्रृंखला में सहायक प्राध्यापिका डॉ. आकांक्षा जैन का शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका जरनल ऑफ बायोसाइंस एण्ड बायोइंजीनियरिंग ELSEVIR पब्लिकेशन में हुआ। व्याख्याता श्री अमित जैन का शोध पत्र इंटरनेशनल जरनल RSC Advances में प्रकाशित हुआ।

क्रमशः

अन्वेषण परियोजना कार्य

वर्ष २०१४ में MP-CST भोपाल के सौजन्य से Novel-Pectin-4 Aminophenol Conjugate Micro Particles for Colon Cancer विषय पर ₹ ३.६८ लाख की परियोजना महाविद्यालय के लिए स्वीकृत की गयी जिसका निर्देशन तत्कालीन प्राचार्य डॉ. अंकुर वैद्य तथा सहायक प्राध्यापक श्री आशुतोष पाल जैन द्वारा किया गया।

वर्ष २०१६ में डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी अंतर्गत Science and Engineering Research Board, New Delhi के सौजन्य से Self Degradable DNA Nanoclue based site specific Anticancer drug delivery विषय पर ₹ ५०.३६ लाख की परियोजना स्वीकृत हुई है जिसमें वर्तमान प्राचार्य डॉ. आवेश कुमार यादव तथा डॉ. सिद्धार्थ के. मिश्रा अन्वेषक के रूप में परियोजना को संचालित कर रहे हैं।

भाग्योदय तीर्थ नर्सिंग महाविद्यालय

शुभारंभ दिनांक १४ दिसम्बर २००८ को प.पू.

क्रमशः

पूज्यसागरजी महाराज, प.पू. विमलसागरजी महाराज तथा प.पू. सौम्यसागरजी महाराज के मंगल सानिध्य में किया गया। इस महाविद्यालय में वर्तमान में बी.एस.सी. नर्सिंग ४ वर्षीय डिग्री तथा जी.एन.एम. ३ वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित हैं।

शीघ्र ही यहाँ सत्र २०१७-१८ से एम.एस.सी. नर्सिंग २ वर्षीय डिग्री तथा पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. नर्सिंग २ वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जा रहे है। यहाँ से उत्तीर्ण विद्यार्थी विभिन्न चिकित्सालयों, महाविद्यालयों, स्वयंसेवी/शासकीय /अशासकीय संस्थाओं में नर्सिंग स्टॉफ/ शैक्षणिक स्टॉफ के पद पर सेवारत हैं।

यहाँ की छात्रा रूबी सिंह पटेल ने सत्र २०१२-१३ तथा छात्र दीपक पटेल ने सत्र २०१३-१४ में डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर द्वारा आयोजित बी.एस.सी. नर्सिंग परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान पाकर स्वयं का तथा संस्था का नाम गौरवान्वित किया है।

क्रमशः

महाविद्यालय में विद्यार्थियों को नर्सिंग सेवा में समर्पित होकर नर्सिंग कर्तव्यों का निर्वाहन करने हेतु लैम्पलाईट कार्यक्रम आयोजित कर शपथ दिलायी जाती है। दिनांक २८ दिसम्बर २०१२ को आयोजित लैम्पलाईट कार्यक्रम में डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर के समाजशास्त्र शाखा के विभागाध्यक्ष तथा परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिवाकर शर्मा एवं सहायक कुलसचिव प्रो. राजीव निगम अतिथि के रूप में पधारे तथा विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनायें दीं।

दिनांक २७ अगस्त २०१५ को लैम्पलाईट कार्यक्रम अंतर्गत एक विशेष आयोजन किया गया जिसमें सागर जिला के तत्कालीन जिलाध्यक्ष श्री अशोक सिंह जी तथा मध्यप्रदेश की वरिष्ट नर्स श्रीमति लल्ली देवी भदौरिया ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से विद्यार्थियों को कार्यक्रम के अंतर्गत शपथ दिलाकर उनके प्रकाशमय जीवन हेतु अपनी शुभकामनायें दीं।

इस महाविद्यालय में प्रतिवर्ष कुष्ट, कैंसर, ग्लुकोमा, महिला, धूम्रपान निषेध, डायबिटीज़,

क्रमशः

किडनी, टीकाकरण, क्षय, हृदय, हीमोफीलिया, लीवर, मलेरिया, अस्थमा, रेडक्रास, थैलीसीमिया,, हैपाटाइटिस, रक्तदान, ओ.आर.एस., स्तनपान, नेत्रदान, पोषक आहार, अल्ज़ाईमर, रैबीज, नशामुक्ति, मानसिक स्वास्थ्य, पोलियो, एड्स, पृथ्वी, जल, प्रदूषण मुक्ति, पर्यावरण, अंतर्राष्ट्रीय नर्स, दिव्यांग, उपभोक्ता, चिकित्सक, जनसंख्या एवं मरीज सुरक्षा वगैरह विषयों पर एक दिवसीय जन जागरूकता कार्यक्रम मनाये जाते हैं। अंकित विषयों पर विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर, भाषण, प्रश्न मंच, नुक्कड़ नाटक एवं परिभ्रमण आदि के माध्यम से जनसामान्य को जागरूक किया जाता है।

प्रतिवर्ष यहॉ के विद्यार्थी वृद्धाश्रमों में जाकर वृद्धों की सेवा करते हैं और उनसे स्वच्छता, साक्षरता, स्वास्थ्य, पर्यावरण आदि से संबंधित परिसंवाद करते हैं तथा उनके अनुभवों से सीख लेकर अपने भावी जीवन की दिशा निर्देश प्राप्त करते हैं। सह-चिकित्सकीय महाविद्यालय, फार्मेसी महाविद्यालय तथा नर्सिंग महाविद्यालय में सामूहिक रूप से स्वतंत्रता दिवस समारोह, गणतंत्र दिवस

क्रमशः

समारोह, गांधी जयंती, डॉ. हरिसिंह गौर जयंती प्रतिवर्ष मनायी जाती है जिनमें विद्यार्थी देशप्रेम तथा राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत मंचीय कार्यक्रमों का मननीय प्रस्तुतीकरण करते हैं।

प्रतिवर्ष तीनों महाविद्यालयों का सामूहिक रूप से शिक्षक दिवस का आयोजन होता है जिसमें यहॉ अध्ययनरत विद्यार्थी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपने आदरणीय शिक्षकों का सम्मान करते हैं। इसी अंतर्गत दिनांक ०५ सितम्बर २०१५ को मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के तत्कालीन कुलपति डॉ. डी.के. लोकवाणी ने विद्यार्थियों के बीच अपने विद्यार्थी जीवन के संस्मरण सुनाते हुये सफल विद्यार्थी एवं व्यवसायिक जीवन के गुणों को प्रकाशित किया। उन्होंने न्यास परिसर का पूर्ण भ्रमण कर न्यास द्वारा संचालित विविध लोकोपकारी गतिविधियों की भूरी-भूरी सराहना की। गुरू की महिमा का बखान करते हुये उन्होंने उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अपनी प्रेरणामयी वाणी से शुभकामनायें दीं।

क्रमशः

भाग्योत्सव २०१३

भाग्योदय तीर्थ धर्मार्थ न्यास निर्माण क २० वर्ष पूर्ण होने पर एक भव्य आयोजन किया गया। जो ''भाग्योत्सव'' के नाम से मशहूर हुआ। इस उत्सव का आगाज दिनांक ०८ दिसम्बर २०१३ को सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ जिसमें डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर लोककला शाखा के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रसिद्ध कलागुरू डॉ. विष्णु पाठक ने लोककला अकादमी के कलाकारों सहित भाग लेकर विभिन्न लोकनृत्यों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को बुन्देली संस्कृति से अवगत कराया। इसी कार्यक्रम में दर्पण आर्ट एण्ड ड्रामा अकादमी के कलाकारों ने नाटक, माइम, व्यंग्य एवं प्रहसन आदि का प्रस्तुतीकरण दिया? न्यास द्वारा संचालित महाविद्यालयीन विद्यार्थियों ने ओरी चिरैया छायांकन प्रस्तुत कर बेटी बचाओ का संदेश जन-जन तक पहुँचाया।

दिनांक ०९ दिसम्बर २०१३ को एक विशेष सेमीनार आयोजित किया गया जिसमें इंदौर के न्यूरोफिजिशियन डॉ. दीपक जैन, कार्डियोलॉजिस्ट

क्रमशः

डॉ. सुनील शर्मा तथा प्लास्टिक सर्जन डॉ. संजय कुचेरिया ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। इस सेमीनार में सागर शहर सहित सम्पूर्ण जिले के चिकित्सा विशेषज्ञों ने अपनी सहभागिता दर्ज करायी।

दिनांक ८ से १५ दिसम्बर २०१३ तक निःशुल्क ओ.पी.डी. संचालित रही साथ ही चिकित्सा जॉचों पर २५ प्रतिशत अतिरिक्त रियायत भी मरीजों को दी गयी। इस पूरे सप्ताह में विभिन्न चिकित्सकीय सेवाओं पर ₹ ४,०५,४२२/- की चैरिटी की गयी।

भाग्योत्सव के अंतिम दिवस दिनांक १५ दिसम्बर २०१३ को पोस्टर तथा तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें सागर शहर के विभिन्न विद्यालयों के लगभग ३०० विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

परिकल्पना पर्व २०१४

दिनांक १० दिसम्बर २०१४ को भाग्योत्सव का पर्याय ''परिकल्पना पर्व'' आयोजित किया गया, जिसमें लोककला अकादमी के कलाकारों ने

क्रमशः

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये तथा नवीन न्यासियों को न्यास की सदस्यता ग्रहण करने के लिये सम्मानित किया गया।

नेता अभिनेता भी आते रहे हैं भाग्योदय में

भाग्योदय न्यास की पुण्यभूमि पर नेता अभिनेता भी नतमस्तक हुये हैं। यदि हम प्रारंभ के वर्षों का अवलोकन करें तो यहाँ पधारने वाले अतिथियों की संख्या अनगिनत है। सर्वश्री विठ्ठल भाई पटेल, अनुपम खेर, आशुतोष राणा, मुकेश तिवारी एवं मध्यप्रदेश के जनप्रतिनिधि सुश्री उमा भारती, सुधा जैन, पारूल साहू एवं सर्वश्री दिग्विजय सिंह, जयंत मलैया, शरद जैन, भूपेन्द्र सिंह ठाकुर, गोपाल भार्गव, लक्ष्मीनारायण यादव, शैलेन्द्र जैन, प्रदीप लारिया, वीरेन्द्र खटीक, दादा डालचंद जैन, सुनील जैन आदि ने भाग्योदय की भूमि को नमन किया है।

भाग्योदय तीर्थ : यथा नाम तथा गुण

भाग्योदय तीर्थ धर्मार्थ न्यास की इस पुनीत धरा पर साधुचरण हमेशा ही पड़ते रहते हैं। यहाँ

क्रमशः

परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री १०८ विद्यासागर महा मुनिराज जी ससंघ, प.पू. मुनि पुंगव श्री १०८ सुधासागर जी महाराज ससंघ, प.पू. श्री क्षमासागर जी महाराज, प.पू. उपाध्याय श्री ज्ञानसागर जी महाराज तथा परम पूजनीय माताजीओं के संघ ने अपनी आगमोक्त चर्या से इस पावन भूमि पर संस्कार एवं सेवा का सिंचन किया है।

यदि हम यहाँ के पावन धरा का ऐतिहासिक वर्णन करें तो महत्वपूर्ण बात यह है कि अब तक यहाँ ५ गजरथ महोत्सव वर्ष १९९३, १९९८, २००३, २००७ तथा २००९ आयोजित हो चुके हैं। अतः भाग्योदय तीर्थ नाम के अनुरूप सत्यता में एक तीर्थ ही है, जो लिंग, जाति, धर्म-सम्प्रदाय, पद, प्रतिष्ठा एवं प्रान्त आदि की भेद-भावनाओं से ऊपर उठकर परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य गुरूवर श्री १०८ विद्यासागर महा मुनिराज जी के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से मानव सेवा एवं समाज कल्याण के पावन कार्य में सदैव समर्पित है। भाग्योदय तीर्थ धर्मार्थ न्यास बुन्देलखण्ड क्षेत्र की सर्वोच्च, सर्वश्रेष्ठ, सर्वोत्तम संस्था है।

क्रमशः

-: विशेष :-

भाग्योदय तीर्थ धर्मार्थ न्यास द्वारा चिकित्सालय अंतर्गत बुन्देलखंड क्षेत्र में सर्वप्रथम अद्यतन चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध करायी गयी।

बुन्देलखंड के वासियों को पेट रोग, मूत्र रोग, हृदय रोग, मस्तिष्क, मिर्गी, लकवा, कैंसर रोग जांच आदि व्याधियों के परामर्श तथा रोग निदान हेतु सागर से बाहर अन्य बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता पड़ती थी। संस्था द्वारा बुन्देलखंड क्षेत्र में सर्वप्रथम अद्यतन चिकित्सा निम्नानुसार सुविधायें उपलब्ध करायी गयीः-

१. न्यूरोलॉजी विभाग - यहॉ अतिथि चिकित्सा विशेषज्ञों के माध्यम से यह विभाग पूर्व से संचालित है। २२ दिसम्बर २०१६ से डॉ. दीपांशु दुबे (डी.एम. न्यूरोलॉजी) की पूर्णकालिक सेवायें प्रारंभ हो गयी हैं।

२. कार्डियोलॉजी विभाग - दिनांक १५ अगस्त २०१५ को कार्डियोलॉजी विभाग का शुभारंभ डॉ.

क्रमशः

प्रयंक जैन (डी.एम. न्यूरोलॉजी) की अध्यक्षता में किया गया।

२०१५ को कार्डियोलॉजी विभाग का शुभारंभ डॉ. प्रयंक जैन (डी.एम. न्यूरोलॉजी) की अध्यक्षता में किया गया।

३. कैथलैब - हृदयाघात रोक एवं उपचार यंत्र कैथलैब का शुभारंभ ९ जुलाई २०१६ को किया जाकर अस्थायी/स्थायी पेसमेकर, एन्जियोग्राफी, एन्जियोप्लास्टी आदि चिकित्सकीय कार्य किये जाने लगे।

४. मेमौग्राफी - स्तन कैंसर परीक्षण की यह आधुनिक तकनीक है। इस जांच का शुभारंभ दिनांक १५ अगस्त २०१५ को हुआ।

५. लेप्रोस्कोपी शल्य क्रिया - लेप्रोस्कोपी सर्जन डॉ. संतोष राय द्वारा शल्य चिकित्सा विभाग के अंतर्गत अप्रैल २०१३ से लेप्रोस्कोपी पद्धति से शल्य क्रिया की जाने लगी। इस पद्धति में दूरबीन के माध्यम से, बहुत छोटा चीरा लगाकर अपेन्डिसाइटिस, हर्निया, पित्त की थैली, बच्चादानी, पेट के ट्यूमर / गठान आदि व्याधियों की

क्रमशः

शल्यक्रिया की जाती है। मरीज एक/दो दिन चिकित्सालय में रहकर शीघ्र ही स्वस्थ्य होकर घर चला जाता है।

६. सिस्टोस्कोपी - भोपाल के विशेषज्ञ डॉ. पुनीत तिवारी की अध्यक्षता में यह सुविधा २०१२ से प्रारंभ की गयी। सिस्टोस्कोपी मूत्र रोग निदान संबंधी शल्यक्रिया की आधुनिक तकनीक है जिसमें किसी भी प्रकार का चीरा नहीं लगाया जाता और पेशाब के रास्ते से नली डालकर दूरबीन पद्धति से शल्य क्रिया की जाती है। मूत्र संबंधी विकृति, किडनी की पथरी, ट्यूमर, प्रोस्टेट, पेशाब के रास्ते की गठान आदि की शल्यक्रिया में यह बहुत ही कारगर तकनीक है।

७. एम. आर. आई. - शरीर के आंतरिक विकृति जानने की यह आधुनिकतम तकनीक है, इस परीक्षण के माध्यम से त्रिआयामी संरचना देखी जाती है। इस उपकरण की स्थापना २८ फरवरी २०१० को की गयी।

८. सी. टी. स्केन - एम.आर.आई. की तरह ही यह जॉच भी शरीर की आंतरिक विकृति जानने

क्रमशः

की आधुनिक जॉच है। सी. टी. स्केन मशीन की स्थापना ३० मई २००९ को की गयी थी।

९. एन. आई. सी. यू. - नवजात शिशुओं की देखभाल हेतु ऑक्सीजन, वार्मर, सी-पेप, मॉनिटर आदि चिकित्सा सुविधाओं से युक्त यह विभाग चिकित्सालय में प्रारंभ से ही है। इस विभाग का नवनिर्माण दिनांक ११ अप्रैल २०१५ को आधुनिक चिकित्सा उपकरणों सहित किया गया।

१०. रक्त कोष - प्रायः रोगियों में खून की कमी हो जाती है। थैलीसीमिया से ग्रसित रोगी बच्चों को तथा शल्यक्रिया दरमियान भी हमेशा ही रक्त की आवश्यकता रहती है इस जरूरत को पूर्ण करने हेतु न्यास द्वारा २० फरवरी २००३ को रक्त कोष प्रारंभ किया यगा। यहॉ थैलीसीमिया से ग्रसित बच्चों को निःशुल्क रक्त प्रदान किया जाता है।

११. गहन चिकित्सा - चिकित्सालय में प्रारंभ से ही यह इकाई संचालित है। केन्द्रीय मॉनिटर, केन्द्रीय ऑक्सीजन, वेन्टीलेटर, प्रशिक्षित पराचिकित्सकीय स्टाफ आदि से सुसज्जित इस इकाई का नव निर्माण १८ अक्टूबर २०१३ को कराया गया।

क्रमशः

१२. सी. आर्म - हड्डी रोगियों की शल्यक्रिया करने हेतु यह उपकरण बहुत ही कारगर है। चिकित्सा विशेषज्ञ टूटी हड्डी को टी.व्ही. में देखते हुये, शल्य क्रिया करते हैं एवं हड्डी को जोड़ देते हैं। सी. आर्म मशीन का शुभारंभ यहॉ ७ फरवरी २००४ को किया गया।

१३. डायलिसिस - १३ सितम्बर २००९ से किडनी रोगियों के डायलिसिस कराने हेतु यहॉ डायलिसिस इकाई प्रारंभ की गयी।

समाप्त